एग्री मैगज़ीन
(कृषि लेखों के लिए अंतरराष्ट्रीय ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 04 (अप्रैल, 2025)
www.agrimagazine.in पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री मैगज़ीन, आई. एस. एस. एन.: 3048-8656

इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम): भारतीय कृषि में डिजिटल क्रांति

डॉ. हरकेश कुमार बलाई[1], प्रभात रंजन[2], *अभिषेक कुमार[2] एवं अभिजीत कुमार[2]
[1]सहायक प्राध्यापक, कृषि संकाय, जगन्नाथ विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, भारत
[2]छात्र, बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि, कृषि संकाय, जगन्नाथ विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, भारत
*संवादी लेखक का ईमेल पता: abhishek091117@gmail.com

भारत सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाने और कृषि क्षेत्र में सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न योजनाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रही है। इनमें सिंचाई, विपणन, न्यूनतम समर्थन मूल्य, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन और जैविक खेती को बढ़ावा देने से संबंधित योजनाएँ शामिल हैं। इन योजनाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य किसानों को नवीनतम तकनीकों से जोड़ना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।

प्रमुख योजनाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. **राष्ट्रीय कृषि विपणन योजना:** इस योजना का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज के लिए सर्वोत्तम मूल्य दिलाने में सहायता करना है। इसके तहत निजी थोक बाजारों, प्रोसेसरों और निर्यातकों को सीधी खरीद की सुविधा दी गई है। साथ ही, मूल्य बीमा योजना लागू की गई है, जिससे किसानों को मूल्य गिरावट से सुरक्षा मिलती है।
2. **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY):** 1 जुलाई 2015 को शुरू की गई यह योजना सिंचाई सुविधाओं का विस्तार और जल उपयोग दक्षता में सुधार लाने के लिए लागू की गई है। इसमें 'हर खेत को पानी', 'जल संरक्षण', और 'वाटरशेड विकास' जैसी पहलें शामिल हैं।
3. **न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) योजना:** यह योजना किसानों को उनकी उपज के लिए एक निश्चित न्यूनतम मूल्य प्रदान करने के लिए बनाई गई है, जिससे उन्हें बाजार के उतार-चढ़ाव से सुरक्षा मिले। MSP कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (CACP) की सिफारिशों के आधार पर तय किया जाता है।
4. **कृषि विपणन पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम:** कृषि विपणन प्रणाली को मजबूत करने के लिए देशभर में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। इनमें जयपुर में तीन दिवसीय कृषि विपणन शिविर, मूंगफली की उन्नत कृषि पद्धतियों पर प्रशिक्षण, वर्मी कंपोस्ट उत्पादन तकनीक, और ग्रामीण युवाओं के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य किसानों और कृषि अधिकारियों को आधुनिक विपणन तकनीकों, मूल्य संवर्धन और उद्यमिता के बारे में शिक्षित करना है।
5. **कृषि उत्पादों का मूल्य समर्थन योजना:** इस योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी उपज के लिए उचित मूल्य प्रदान करना और बाजार में मूल्य अस्थिरता के प्रभाव को कम करना है। इसके तहत फसल उत्पादन की लागत, बाजार मूल्य, मांग-आपूर्ति की स्थिति और अंतरराष्ट्रीय मूल्यों को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा समर्थन मूल्य तय किया जाता है।

निष्कर्ष

सरकार द्वारा चलाई जा रही ये योजनाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों के लिए अत्यधिक लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। इससे किसानों को न केवल उनकी उपज के लिए बेहतर मूल्य प्राप्त हो रहा है, बल्कि वे आधुनिक तकनीकों और विपणन प्रणालियों को भी अपना रहे हैं। इन प्रयासों से कृषि क्षेत्र में सतत विकास संभव होगा और किसानों की आय में वृद्धि होगी।